Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences | 2016 | Volume 05 | Issue 01 | Pages 01-06
https://bijhss-university-journal.in/en

Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences

Research Article

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने का इरादा: उद्यमिता शिक्षा, उद्यमशील आत्म-प्रभावकारिता और विश्वविद्यालय से मिलने वाले समर्थन की धारणा की भूमिका

Entrepreneurial Career Intentions Among University Students: The Roles of Entrepreneurship Education, Entrepreneurial Self-Efficacy, and Perceived University Support

Prof. Aditya B.S[1]

[1]Assistant Senior Lecturer, Faculty of Entrepreneurship and Business, Universiti Malaysia Kelantan, Locked Bag 36, Pengkalan Chepa - 16100, Kota Bharu, Kelantan, Malaysia. E-mail: Aditya.b.s@umk.edu.my

***Correspondence:** Aditya.b.s@umk.edu.my

Submitted: 10 Dec 2015 | Revised: 22 Jan 2016 | Accepted: 02 Apr 2016 | Published: 11 May 2016

सारांश: यह प्रारंभिक अध्ययन यूनिवर्सिटी मलेशिया केलंतान में स्नातक विद्यार्थियों के उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के रुझान और उद्यमिता शिक्षा की उपयोगिता के बारे में उनके विचारों की जाँच करता है। विद्यार्थियों ने स्वयं प्रश्नावली भरी। उत्तरदाताओं के विवरण में उद्यमिता के स्नातक कार्यक्रम में नामांकित **80** विद्यार्थी शामिल थे। इनमें से **35** प्रतिशत के पास व्यवसाय का विचार था**,** लेकिन उन्होंने उसे अमल में लाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया था। वहीं**, 25** प्रतिशत ने बताया कि उनके पास व्यवसाय का विचार था और उन्होंने उसे साकार करने की दिशा में कदम भी उठाए थे। यह अनुपात पुरुष और महिला उत्तरदाताओं में समान था। उद्यमिता में उच्च शिक्षा की उपयोगिता के आकलन पर आधारित बहु प्रतिगमन मॉडल ने उस आकलन में पाई गई भिन्नता का **23.5** प्रतिशत स्पष्ट किया **(R^2 = .235, F(5, 70) = 4.292, p = .002)**। अध्ययन विद्यार्थियों की शिक्षा संबंधी धारणाओं और व्यवसाय शुरू करने की दिशा में उनके द्वारा बताए गए कदमों को अलग-अलग दर्शाता है। एक विश्वविद्यालय तक सीमित इस प्रारंभिक अध्ययन के आधार पर व्यापक निष्कर्ष निकालने या बाद में व्यवसाय स्थापित करने पर उद्यमिता शिक्षा के प्रभाव का आकलन करने की गुंजाइश सीमित है।

प्रमुख शब्द — उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने का रुझान, कथित उपयोगिता, स्नातक विद्यार्थी, यूनिवर्सिटी मलेशिया केलंतान।

Abstract: This pilot study examines undergraduate students' inclination toward entrepreneurship as a career and their views on the usefulness of entrepreneurship education at Universiti Malaysia Kelantan. Data were collected through a self-administered questionnaire. The respondent profile included 80 students enrolled in an undergraduate entrepreneurship programme. Of these, 35% reported having a business idea but had taken no steps to implement it, while 25% reported both having an idea and taking steps toward its implementation. The latter proportion was 25% among both male and female respondents. A multiple regression model examining perceptions of the usefulness of higher education in entrepreneurship explained 23.5% of the variance in that outcome (R^2 = .235, F(5, 70) = 4.292, p = .002). The findings distinguish students' perceptions of entrepreneurship education from the steps they reported taking toward starting a business. The single-university pilot design limits generalization and leaves open whether entrepreneurship education influences subsequent venture creation.

Keywords: Entrepreneurship education, entrepreneurial career inclination, perceived usefulness, undergraduate students, Universiti Malaysia Kelantan.

1. प्रस्तावना

उद्यमिता में व्यावसायिक अवसरों की पहचान, उनसे जुड़े जोखिमों का आकलन और किसी विचार को व्यवहार में लाने के लिए आवश्यक संसाधनों का संयोजन शामिल है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता को करियर विकल्प मानने और वास्तव में व्यवसाय शुरू करने के बीच कई चरण होते हैं। कोई विद्यार्थी स्वरोज़गार में रुचि रख सकता है, किसी समस्या का व्यावसायिक समाधान सोच सकता है या उस समाधान को संभावित ग्राहकों के साथ परखना शुरू कर सकता है। इनमें से प्रत्येक स्थिति उद्यम शुरू करने की तैयारी के बारे में अलग जानकारी देती है।

मूल अध्ययन ने मलेशिया में स्नातक रोजगार की समस्या को अपनी पृष्ठभूमि बनाया। इसके लेखकों ने पूछा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को वेतनभोगी रोजगार के साथ स्वरोज़गार पर विचार करने के लिए कैसे तैयार कर सकते हैं। इस प्रश्न के दो पहलू हैं। पहला, विद्यार्थी उद्यमिता को कितना आकर्षक और व्यवहार्य विकल्प मानते हैं। दूसरा, वे व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में औपचारिक शिक्षा को कितना उपयोगी समझते हैं। सर्वेक्षण इन धारणाओं और विद्यार्थियों के बताए शुरुआती कदमों पर प्रकाश डालता है।

1.1 अध्ययन का संस्थागत संदर्भ

यूनिवर्सिटी मलेशिया केलंतान की स्थापना 2006 में हुई। मूल लेख के अनुसार, विश्वविद्यालय ने उद्यमिता को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों की प्राथमिकता बनाया। पाठ्यक्रम में उद्यमिता से जुड़े विषय शामिल किए गए और व्याख्यान शृंखलाओं, सामुदायिक अधिगम तथा अनुभवी उद्यमियों से संवाद के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव देने का प्रयास किया गया। इस संस्थागत संदर्भ में विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएँ यह समझने का अवसर देती हैं कि उद्यमिता-केंद्रित कार्यक्रम में पढ़ रहे विद्यार्थी औपचारिक अध्ययन और व्यावहारिक कौशल का मूल्य कैसे आँकते हैं।

2. अध्ययन के उद्देश्य और परिकल्पनाएँ

© 2015 By the Authors. This Open Access Article Was Published Under a Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/).

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि यूएमके के विद्यार्थी उद्यमिता को करियर विकल्प के रूप में किस हद तक देखते हैं और इस संदर्भ में विश्वविद्यालय की शिक्षा को कितना उपयोगी मानते हैं। इसके विशिष्ट उद्देश्य थे:

1. व्यवसाय शुरू करने के प्रति विद्यार्थियों की रुचि और तैयारी की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करना।
2. औपचारिक शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण, नई तकनीक सीखने की रुचि और प्रेरक व्यक्तियों की भूमिका पर विद्यार्थियों के विचारों का अध्ययन करना।
3. शैक्षिक पृष्ठभूमि, पूर्व कार्यानुभव, माता-पिता की शिक्षा और उनके व्यवसाय के संदर्भ में प्रतिक्रियाओं की तुलना करना।
4. यह समझना कि पारिवारिक व्यवसाय से परिचय और व्यवसाय शुरू करने की इच्छा किस प्रकार विद्यार्थियों के उत्तरों में दिखाई देते हैं।

मूल परिकल्पना	अध्ययन का प्रश्न
H1	क्या उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में यूएमके की भूमिका विद्यार्थियों के उद्यमशील रुझान से सकारात्मक रूप से जुड़ी है?
H2	क्या विद्यार्थी उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में विश्वविद्यालय की भूमिका को सकारात्मक मानते हैं?
H3	क्या प्रेरक व्यक्तियों या आदर्शों से परिचय उद्यमिता के प्रति अधिक अनुकूल दृष्टिकोण से जुड़ा है?
H4	क्या शैक्षिक पृष्ठभूमि, कार्यानुभव और माता-पिता की शिक्षा के अनुसार विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएँ अलग हैं?
H5	क्या पिता या माता के व्यवसाय के अनुसार उद्यमिता के प्रति विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएँ अलग हैं?

इन परिकल्पनाओं को पढ़ते समय परिणाम चर पर ध्यान देना आवश्यक है। प्रकाशित प्रतिगमन तालिकाओं में परिणाम चर उद्यमिता में उच्च शिक्षा की **विद्यार्थियों द्वारा आंकी गई उपयोगिता** है। व्यवसाय शुरू करने के लिए उठाए गए कदम एक अलग प्रश्न में दर्ज किए गए हैं।

3. साहित्य समीक्षा

उद्यमिता शिक्षा पर पूर्ववर्ती शोध में पाठ्यक्रम, संस्थागत वातावरण और उपलब्ध संसाधनों को महत्वपूर्ण माना गया है। Gorman, Hanlon और King (1997) की समीक्षा ने उद्यमिता के प्रति रुचि विकसित करने में औपचारिक कार्यक्रमों की संभावित भूमिका पर चर्चा की। Holmgren और From (2005) ने इस बात पर ध्यान दिया कि उद्यमिता-केंद्रित शिक्षा विद्यार्थियों की करियर संबंधी धारणाओं को कैसे आकार दे सकती है। Fayolle और Degeorge (2006) ने कार्यक्रमों के मूल्यांकन में दृष्टिकोण, इरादे और व्यवहार को अलग रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

मूल लेख में उद्धृत अन्य अध्ययनों के अनुसार, उद्यमिता कार्यक्रम किसी उद्यम को शुरू करने की वांछनीयता और उसकी व्यवहार्यता के बारे में विद्यार्थियों की धारणा से जुड़े हो सकते हैं। व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों को विचार विकसित करने, बाज़ार की जानकारी जुटाने और वित्तीय तथा परिचालन निर्णयों की तैयारी करने का अवसर देता है। पारिवारिक व्यवसाय, पूर्व कार्यानुभव और उद्यमियों से संवाद भी विद्यार्थियों को कामकाज की ऐसी जानकारी दे सकते हैं जो कक्षा के बाहर मिलती है।

इस अध्ययन के लिए तीन बातों में अंतर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। **रुझान** से आशय उद्यमिता को एक संभावित करियर मानने से है। **शिक्षा की उपयोगिता का आकलन** बताता है कि विद्यार्थी औपचारिक अध्ययन को उद्यमी बनने की तैयारी में कितना सहायक समझते हैं। **प्रारंभिक उद्यमशील कदम** किसी व्यवसायिक विचार को आगे बढ़ाने के लिए विद्यार्थी द्वारा बताई गई कार्रवाई को दर्शाते हैं।

4. शोध पद्धति

4.1 अध्ययन की रूपरेखा और प्रतिभागी

यह एक मात्रात्मक प्रारंभिक सर्वेक्षण था। प्रतिभागी यूएमके के उद्यमिता-संबंधी स्नातक कार्यक्रम में नामांकित थे और उन्होंने स्वयं प्रश्नावली भरी। मूल पद्धति अनुभाग में 84 विद्यार्थियों का उल्लेख है, जबकि प्रकाशित जनसांख्यिकीय तालिका 80 उत्तरदाताओं पर आधारित है। मूल लेख विद्यार्थियों के अध्ययन-वर्ष के बारे में भी एकरूप जानकारी नहीं देता। इसलिए यहाँ प्रतिभागियों का वर्णन उनके स्नातक कार्यक्रम के आधार पर किया गया है। जहाँ किसी विश्लेषण में वैध उत्तरों की संख्या कम थी, वहाँ उसी विश्लेषण की प्रकाशित स्वतंत्रता की कोटियों को आधार बनाया गया है।

4.2 प्रश्नावली के आयाम

आयाम	प्रश्नावली में शामिल विषय
विद्यार्थी की पृष्ठभूमि	आयु, लिंग, शिक्षा और कार्यानुभव
पारिवारिक पृष्ठभूमि	माता-पिता की शिक्षा, उनका व्यवसाय और पारिवारिक कारोबार से परिचय
प्रेरणा और व्यक्तिगत गुण	स्वतंत्र रूप से काम करने की इच्छा, आय की अपेक्षा, जोखिम लेने की इच्छा और स्वयं पहल करने की प्रवृत्ति
शिक्षा और व्यावहारिक अधिगम	औपचारिक शिक्षा की उपयोगिता, नई तकनीक और कौशल सीखना तथा विशेष विषयों में सहायता की आवश्यकता
उद्यम शुरू करने की तैयारी	उद्यमिता पर विचार करने से लेकर व्यवसायिक विचार विकसित करने और उस पर कदम उठाने तक की अवस्थाएँ

4.3 विश्लेषण

मूल लेख ने आवृत्तियों, प्रतिशतों और समूहवार तालिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन किया। चयनित समूहों की तुलना के लिए प्रसरण विश्लेषण (ANOVA) और शिक्षा की उपयोगिता के आकलन से जुड़े चरों की जाँच के लिए बहु प्रतिगमन का प्रयोग किया गया। तकनीकी कौशल सीखने की रुचि और आत्म-विकास से संबंधित दो मदों पर एक प्रारंभिक कारक विश्लेषण भी प्रस्तुत किया गया। सर्वेक्षण में विद्यार्थियों ने अपने विचार और कदम स्वयं बताए थे। उनके उत्तरों से कार्यक्रम में भागीदारी के कारण हुए बदलाव का स्वतंत्र अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

5. परिणाम

5.1 करियर विकल्प के रूप में उद्यमिता

प्रकाशित उत्तरदाता तालिका में 80 विद्यार्थियों में लगभग 55% महिलाएँ और 45% पुरुष थे। अधिकांश उत्तरदाता 20–25 वर्ष के थे और सभी मलेशियाई थे।

उद्यमिता के प्रति बताई गई स्थिति	विद्यार्थी	प्रतिशत
उद्यमी बनने पर कभी विचार नहीं किया	4	5%
उद्यमिता पर विचार किया, लेकिन स्पष्ट व्यवसायिक विचार नहीं था	28	35%
व्यवसायिक विचार था, लेकिन उसे साकार करने के लिए	28	35%

कदम नहीं उठाए थे		
व्यवसायिक विचार था और उसे साकार करने की दिशा में कदम उठाए थे	20	25%
कुल	**80**	**100 %**

स्रोत — मूल लेख की तालिका 20। आवृत्तियाँ 80 उत्तरदाताओं और प्रकाशित प्रतिशतों से प्राप्त हैं।

कुल 48 विद्यार्थियों (60%) ने किसी व्यवसायिक विचार के होने की सूचना दी। पूरे नमूने में 20 विद्यार्थियों (25%) ने उस विचार पर कदम उठाने की बात कही। इसलिए 60% को विचार विकसित कर चुके विद्यार्थियों का अनुपात समझना अधिक सटीक है। विचार होने, उस पर काम शुरू करने और वास्तव में उद्यम स्थापित करने को अलग-अलग परिणामों के रूप में दर्ज करना चाहिए।

5.2 प्रेरणा, जोखिम और व्यक्तिगत पहल

प्रश्न या प्रेरणा	आवृत्ति	प्रकाशित प्रतिशत
अपना स्वयं का नियोक्ता बनने की इच्छा	49	61.25%
उद्यमिता के माध्यम से अधिक आय अर्जित करने की इच्छा	34	42.5%
पारिवारिक व्यवसाय में सहायता करने की प्रेरणा	17	21.25%
बड़ा वित्तीय जोखिम उठाने की इच्छा या क्षमता, हमेशा या प्रायः	22	27.6%
अपने विचार को साकार करने की प्रबल इच्छा, हमेशा या प्रायः	55	68.8%
स्वयं को नेतृत्व करने वाला या पहल करने वाला मानना, हमेशा या प्रायः	43	53.8%
शुरुआती आशंका के बावजूद चुनौतीपूर्ण अनुभवों में रुचि, हमेशा या प्रायः	42	52.6%

स्रोत — मूल लेख की तालिका 2। कुछ प्रतिशतों में प्रकाशित गोलाई रखी गई है। चुनौतीपूर्ण अनुभवों के लिए मूल वर्णन में 252.6% छपा है। तालिका में यह मान 52.6% है।

स्वतंत्र रूप से काम करने की इच्छा सबसे अधिक बताई गई प्रेरणाओं में थी। साथ ही, बड़ा वित्तीय जोखिम उठाने की इच्छा अपेक्षाकृत कम थी। ये उत्तर दिखाते हैं कि उद्यमिता का आकर्षण और वित्तीय जोखिम स्वीकार करने की तत्परता विद्यार्थियों के निर्णय के दो अलग पहलू हैं।

5.3 विश्वविद्यालय शिक्षा और व्यावहारिक कौशल

प्रश्नावली का विषय	विद्यार्थी	प्रतिशत
उद्यमिता में उच्च शिक्षा को सफल उद्यमी बनने के लिए हमेशा या प्रायः उपयोगी माना	50	62.5%
नवीन तकनीक और कौशल सीखने तथा अपनाने में हमेशा या प्रायः रुचि बताई	48	लगभग 60%
आत्म-विकास, व्यक्तिगत प्रगति और आय से जुड़े प्रश्न पर हमेशा या प्रायः सहमति दी	59	73.8%
परिचालन प्रबंधन में बाहरी सहायता की आवश्यकता बताई	46	57.5%
व्यावसायिक कानून में बाहरी सहायता की आवश्यकता बताई	24	30.0%

स्रोत — मूल लेख की तालिका 3। प्रतिशतों का आधार 80 उत्तरदाता हैं।

विद्यार्थियों ने परिचालन प्रबंधन और व्यावसायिक कानून जैसे विषयों में सहायता की आवश्यकता बताई। यह पाठ्यक्रम के विकास के लिए उपयोगी सूचना है। उदाहरण के लिए, परिचालन प्रबंधन में किसी छोटे उद्यम की लागत, आपूर्ति और दैनिक कार्यप्रवाह पर आधारित अभ्यास दिया जा सकता है। व्यावसायिक कानून में समझौतों और व्यवसाय के सामान्य दायित्वों को उदाहरणों के माध्यम से पढ़ाया जा सकता है। सर्वेक्षण ने ऐसे प्रशिक्षण उपायों के परिणामों का परीक्षण नहीं किया था।

5.4 पारिवारिक पृष्ठभूमि और शिक्षा की उपयोगिता

माता-पिता की शिक्षा और उनके व्यवसाय पर आधारित प्रतिगमन में चार व्याख्यात्मक चर थे। मॉडल का $R = .379$, $R^2 = .144$ और समायोजित $R^2 = .068$ था। $F(4, 45) = 1.887$ और $p = .129$ होने के कारण समग्र मॉडल 5% के स्तर पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं था। प्रकाशित स्वतंत्रता की कोटियों के अनुसार इस मॉडल में 50 वैध अवलोकन थे। $R^2 = .144$ का अर्थ है कि मॉडल ने नमूने में उत्तरों की 14.4% भिन्नता स्पष्ट की। मूल वर्णन में उल्लिखित 68% इस तालिका से समर्थित नहीं है।

पिता के व्यवसाय पर आधारित समूहों में शिक्षा की उपयोगिता की तुलना के लिए प्रकाशित ANOVA ने $F(2, 53) = .767$ और $p = .469$ दिया। इस परीक्षण में समूहों के औसत अलग होने के पक्ष में पर्याप्त सांख्यिकीय साक्ष्य नहीं मिला। इसलिए इस परिणाम से पिता के उद्यमी होने और उद्यमिता शिक्षा की उपयोगिता के आकलन के बीच संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता।

5.5 औपचारिक शिक्षा की उपयोगिता का प्रतिगमन

दूसरे मॉडल में पाँच प्रश्नावली मदों के आधार पर उद्यमिता में उच्च शिक्षा की उपयोगिता के आकलन का विश्लेषण किया गया। मॉडल ने 23.5% भिन्नता स्पष्ट की ($R = .484$, $R^2 = .235$, समायोजित $R^2 = .180$)। समग्र परीक्षण $F(5, 70) = 4.292$, $p = .002$ था। प्रकाशित स्वतंत्रता की कोटियों से 76 वैध अवलोकन प्राप्त होते हैं।

व्याख्यात्मक मद	असमायोजित गुणांक *B*	मानक त्रुटि	मानकीकृत गुणांक β	*p*
नवीन तकनीकी ज्ञान और कौशल सीखने की रुचि	.310	.118	.307	.011
आत्म-विकास, व्यक्तिगत प्रगति और आय को दिया गया महत्व	.345	.167	.266	.043

विशेष विषयों में सहायता की आवश्यकता	.005	.021	.026	.808
व्यवसाय चलाने के सभी पहलुओं में रुचि	−.256	.165	−.188	.126
पुस्तकों और पठन सामग्री पर निवेश करने की इच्छा	.154	.147	.116	.300

स्रोत — मूल लेख की तालिकाएँ 13–15। गुणांकों की दिशा को प्रश्नावली की प्रकाशित कोडिंग के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए।

मॉडल में नई तकनीक और कौशल सीखने की रुचि तथा आत्म-विकास, प्रगति और आय से जुड़ी मद 5% के स्तर पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक थीं। यह विश्लेषण बताता है कि कौन-सी प्रतिक्रियाएँ शिक्षा की उपयोगिता वाले प्रश्न से जुड़ी थीं। इस मॉडल का परिणाम चर व्यवसाय शुरू करने का इरादा, उद्यम शुरू करने के लिए उठाए गए कदम या उद्यम की स्थापना नहीं था।

5.6 प्रारंभिक कारक विश्लेषण

तकनीकी कौशल सीखने की रुचि और आत्म-विकास, व्यक्तिगत प्रगति तथा आय से संबंधित दो मदों में सहसंबंध .404 था। मूल लेख में KMO = .500 और बार्टलेट परीक्षण के लिए $\chi^2(1) = 13.467$, $p < .001$ दिया गया है। प्रधान अक्ष कारक विश्लेषण में निकाले गए कारक ने 40.325% प्रसरण स्पष्ट किया। दो मदों और .500 के KMO के आधार पर इसे प्रारंभिक परिणाम माना जाना चाहिए। स्वतंत्र नमूने और अधिक मदों से ही यह परखा जा सकता है कि ये प्रतिक्रियाएँ एक विश्वसनीय साझा आयाम बनाती हैं या नहीं।

5.7 लिंग के अनुसार प्रतिक्रियाएँ

प्रतिक्रिया	पुरुष	महिला
उद्यमिता में उच्च शिक्षा को हमेशा उपयोगी माना	34.3%	27.9%
व्यवसायिक विचार था और उसे लागू करने की दिशा में कदम उठाए थे	25.0%	25.0%

स्रोत — मूल लेख की तालिकाएँ 19 और 20। प्रतिशत प्रत्येक लिंग समूह के वैध उत्तरों पर आधारित हैं।

पहली पंक्ति औपचारिक शिक्षा की उपयोगिता पर राय बताती है। दूसरी पंक्ति व्यवसायिक विचार पर कार्रवाई की सूचना देती है। नमूने में दोनों समूहों में कार्रवाई की सूचना देने का अनुपात समान था। छोटे नमूने की इस वर्णनात्मक तुलना से व्यापक जनसंख्या में समानता या अंतर का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

6. चर्चा

अध्ययन का सबसे स्पष्ट परिणाम व्यवसायिक विचार और उस पर कार्रवाई के बीच का अंतर है। 35% विद्यार्थियों के पास विचार था, लेकिन उन्होंने उसे आगे बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया था। इस समूह की ज़रूरतें उन विद्यार्थियों से अलग हो सकती हैं जो अभी अवसर तलाश रहे हैं या अपने विचार का परीक्षण शुरू कर चुके हैं। प्रारंभिक विचार वाले विद्यार्थियों के लिए ग्राहक से बातचीत, लागत का अनुमान और छोटे पैमाने पर बाज़ार परीक्षण जैसे अभ्यास प्रासंगिक हो सकते हैं।

शिक्षा को उपयोगी समझने वाले उत्तरों के साथ नई तकनीक सीखने और आत्म-विकास को महत्व देने वाली प्रतिक्रियाएँ जुड़ी थीं। यह संबंध व्यावहारिक अधिगम पर अधिक ध्यान देने का आधार देता है। फिर भी, संभव है कि पहले से उद्यमिता में रुचि रखने वाले विद्यार्थी औपचारिक शिक्षा को भी अधिक उपयोगी समझते हों। पाठ्यक्रम से पहले और बाद में मापन, अलग-अलग कार्यक्रमों की तुलना और स्नातक होने के बाद अनुवर्ती जानकारी से इन संभावनाओं को अलग किया जा सकता है।

पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित निष्कर्ष सीमित हैं। माता-पिता की शिक्षा और व्यवसाय वाला समग्र मॉडल सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं था। पिता के व्यवसाय के आधार पर की गई अलग तुलना में भी पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिला। इसलिए इस नमूने में पारिवारिक पृष्ठभूमि को विद्यार्थियों के उद्यमी बनने की दिशा का निर्णायक संकेतक मानने का आधार कमज़ोर है।

7. व्यावहारिक सुझाव

मूल लेख ने विश्वविद्यालयों के लिए तीन प्रमुख कदम प्रस्तावित किए। पहला, नवीन तकनीक और उद्यम संचालन के कौशल पर केंद्रित लघु व्यावहारिक पाठ्यक्रम शुरू करना। दूसरा, शिक्षकों को उद्यमिता के शिक्षण में अनुकरण-आधारित अभ्यासों का उपयोग करने के लिए तैयार करना। तीसरा, परिसर में विद्यार्थियों के लिए व्यवसाय परामर्श और मार्गदर्शन केंद्र स्थापित करना।

इन सुझावों को विद्यार्थियों की तैयारी के स्तर के अनुसार लागू किया जा सकता है। अवसर तलाश रहे विद्यार्थियों को समस्या और ग्राहक की पहचान पर काम कराया जा सकता है। विचार विकसित कर चुके विद्यार्थियों को प्रारंभिक परीक्षण, लागत और मूल्य निर्धारण में सहायता दी जा सकती है। कार्रवाई शुरू कर चुके विद्यार्थियों के लिए संचालन, बाज़ार में प्रवेश और विशेषज्ञ मार्गदर्शन अधिक प्रासंगिक हो सकते हैं। विश्वविद्यालय इन पहलों का मूल्यांकन पाठ्यक्रम पूरा करने की दर के साथ विद्यार्थियों द्वारा किए गए बाज़ार परीक्षणों और व्यवसायिक विचारों में किए गए बदलावों के आधार पर भी कर सकते हैं।

8. सीमाएँ और भावी शोध

सर्वेक्षण एक विश्वविद्यालय के उद्यमिता कार्यक्रम तक सीमित था। प्रतिभागियों के अध्ययन-वर्ष का विवरण एकरूप नहीं है और सभी विश्लेषणों में वैध उत्तरों की संख्या समान नहीं थी। प्रतिक्रियाएँ स्व-रिपोर्ट पर आधारित थीं। इसलिए विद्यार्थियों द्वारा बताए गए कदमों और वास्तव में स्थापित व्यवसायों की संख्या के बीच संबंध निर्धारित नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार, शिक्षा की उपयोगिता के बारे में राय से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उद्यमिता शिक्षा ने स्नातक बेरोज़गारी घटाई।

भावी शोध में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों, विभिन्न विषयों तथा अलग-अलग क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शामिल किया जा सकता है। पाठ्यक्रम से पहले, पाठ्यक्रम के बाद और स्नातक होने के बाद एक ही समूह से जानकारी लेने पर रुझान में बदलाव और वास्तविक व्यावसायिक कार्रवाई के बीच संबंध बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। निम्नलिखित चर इस रूपांतरण में भावी परीक्षण के लिए प्रस्तावित हैं।

प्रस्तावित चर	संभावित मापन
उद्यमिता शिक्षा का अनुभव	व्यावहारिक परियोजनाओं, अनुकरण-आधारित अभ्यासों और उद्यमियों के साथ मार्गदर्शन सत्रों में भागीदारी
उद्यमशील आत्म-प्रभावकारिता	व्यावसायिक अवसर पहचानने, लागत का अनुमान लगाने और संभावित ग्राहकों के साथ विचार परखने की अपनी क्षमता पर विश्वास
विश्वविद्यालय से प्राप्त समर्थन का आकलन	परामर्श, उद्यम इनक्यूबेशन, संपर्क नेटवर्क और प्रारंभिक संसाधनों तक पहुँच की विद्यार्थी की धारणा
उद्यम शुरू करने का इरादा	निर्धारित अवधि के भीतर व्यवसाय शुरू करने की योजना और उसके प्रति प्रतिबद्धता
उद्यमशील कार्रवाई	संभावित ग्राहकों से साक्षात्कार, प्रोटोटाइप का परीक्षण, पहली बिक्री और व्यवसाय का पंजीकरण

यह ढाँचा शिक्षा, आत्मविश्वास, संस्थागत समर्थन और वास्तविक कार्रवाई को अलग-अलग मापने की अनुमति देता है। उद्यमशील आत्म-प्रभावकारिता और विश्वविद्यालय समर्थन के मानकीकृत माप मूल सर्वेक्षण में शामिल नहीं थे।

9. निष्कर्ष

यूएमके के प्रारंभिक सर्वेक्षण में विद्यार्थियों ने उद्यमिता को एक संभावित करियर विकल्प माना और अनेक उत्तरदाताओं ने औपचारिक शिक्षा को इस दिशा में उपयोगी समझा। 80 विद्यार्थियों में 28 के पास व्यवसायिक विचार था लेकिन उन्होंने उस पर कदम नहीं उठाए थे, जबकि 20 ने विचार को आगे बढ़ाने की सूचना दी। शिक्षा की उपयोगिता के आकलन में तकनीकी कौशल सीखने की रुचि और व्यक्तिगत विकास से जुड़े उत्तरों का संबंध दिखाई दिया। पारिवारिक पृष्ठभूमि वाले समग्र मॉडल में पर्याप्त सांख्यिकीय साक्ष्य नहीं मिला। विश्वविद्यालयों के लिए अगला शोध प्रश्न यह है कि किस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन विद्यार्थियों को विचार की अवस्था से परीक्षण और फिर वास्तविक उद्यम स्थापना तक पहुँचने में सहायता करता है।

संदर्भ

प्रकाशनों की पहचान के लिए संदर्भों के मूल अंग्रेज़ी शीर्षक रखे गए हैं।

References

[1]. Autio, E. Keeley, R.H. Klofsten, M. & Ulfstedt, T. (1997). 'Entrepreneurial Intent Among Students: Testing An Intent Model In Asia,
Scandinavia and USA.' Frontiers of Entrepreneurship Research, Vol. 17, Babson College/Kauffman.

2) Dana, L. P. (2001). 'The Education And Training Of Entrepreneurs In Asia', Education + Training, Volume 43, Issue 8/9, pp. 405-415.

3) Din, M. S. (1992). 'The Development Of Entrepreneurship And Enterprise In Higher Education In Malaysia.' PhD Thesis, University of
Durham.

4) Fayolle,A. & Degeorge,J. M. (2006). 'Attitudes, Intentions And Behaviour : New Approaches To Evaluating Entrepreneurship Education.' in
Fayolle, A. K. H. (ed.)'International Entrepreneurship Education : Issues And Newness' Edward Elgar Publishing Limited, Cheltenham, UK.

5) Fitzsimmons, J. R. & Douglas, E. J. (2005). 'Entrepreneurial Attitudes And Entrepreneurial Intentions: A Cross Cultural-Study Of Potential
Entrepreneurs In India, China, Thailand and Australia.' Babson-Kauffman Entrepreneurial Research Conference, Wellesley, MA.

6) Ghazali, A., Ghosh, B. C. & Tay, R. S. T. (1995). 'The Determinants Of Self-Employment Choice Among University Graduates In Singapore.'
International Journal of Management, Volume 12, Issue 1, pp. 26-35.

7) Gorman, G., Hanlon, D. & King, W. (1997). 'Some Research Perspectives On Entrepreneurship Education, Enterprise Education And
Education For Small Business Management: ATen- Year Literature Review.' International Small Business Journal, Vol.15, Issue 3, pp. 56-77.

8) Hansemark, O.C. (1998). 'The Effects Of An Entrepreneurship Programme On Need For Achievement And Locus Of Control Of
Reinforcement.' International Journal of Entrepreneurial Behaviour and Research, Volume 4, Issue 1, pp. 28-50.

9) Holmgren, C. and From, J. (2005). 'Taylorism of The Mind: Entrepreneurial Education From A Perspective Of Educational Research.'
European Educational Research Journal, Volume 4, Issue 4, pp. 382-390.

10) Kourilsky, M. L. & Walstad, W. B. (1998). 'Entrepreneurship And Female Youth: Knowledge, Attitudes, Gender Differences And
Educational Practices.' Journal of Business Venturing, Volume 13, pp. 77-78.

11) Ooi, Y. K. & Ali, H. (2005). 'How Inclined Are Lecturers To Teach Entrepreneurship At The University?' International Journal of
Management and Entrepreneurship, Volume 1, Issue 1, pp. 41-48.